दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार, 10 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 221

महत्वपूर्ण एवं खास

ऑटो से टकराई लॉरी, 9 की मौत, 17 घायल

नई दिल्ली (आरएनएस)। तेलंगाना ते कामारेड्डी जिले के निजामसागर के हसनपल्ली गेट के नजदीक भयानक हादसा हुआ है। जहां एक लॉरी एक ऑटो ट्रॉली से टकरा गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई और 17 से अधिक लोग जख्मी हुए है। जानकारी के अनुसार ऑटो ट्रॉली में बैठे लोग एक समारोह में भाग लेकर वापिस लौट रहे थे। कामारेड्डी जिले के एसपी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि लॉरी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं मामले की जांच की जा रही है। इस हादसे को लेकर पीएम मोदी ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि हादसे में लोगों की मौत से व्यथित हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना। प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये दिए जाएंगे। घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

फिर से बढ़ रही कोरोना मरीजों की तादाद, महाराष्ट्र में 224 नये मामले दर्ज

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 224 नये मामले सामने आये हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी हैं। स्वास्थ्य विभाग ने आज बताया कि नये मामले समाने आने के साथ ही देश में संक्रमितों की संख्या बढक़र 78,79,278 हो गई है। तथा इस दौरान किसी भी इस बीमारी से संक्रमित किसी भी मरीज की मौत न होने से मृतकों की संख्या 1,47,846 पर स्थिर रही। उन्होंने कहा इस दौरान 196 मरीज स्वस्थ हुए। राज्य में अब तक 77,30,196 लोगो कोविड मुक्त हो चुके हैं। राज्य की रिकवरी दर उल्लेखनीय रूप से घटकर 98.11 प्रतिशत हो गई है और मृत्यु दर 1.87 प्रतिशत है। स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया है कि इस समय 1,304 सक्रिय मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

गंगोत्री-यमुनोत्री पहुंचे 80 हजार यात्री

उत्तरकाशी (आरएनएस)। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में यात्री बड़ी संख्या में मां गंगा व यमुना के दर्शन को पहुंच रहे हैं। दोनों धाम में अब तक 80 हजार से अधिक यात्री दर्शन कर वापस लौट चुके हैं। गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में गत रविवार सांय तक कुल 80,787 तीर्थयात्री मां गंगा व यमुना के दर्शन कर लौटे हैं। सात दिनों के भीतर ही यात्रियों की संख्या 80 हजार पार कर चुकी है। जब से चारधाम यात्रा शुरू हुई है गंगोत्री में 41,643 और यमुनोत्री में 39144तीर्थयात्री मां गंगा व यमुना के दर्शन कर लौट चुके हैं।

हिस्ट्रीशीटर के अवैध कब्जे पर चला बाबा का बुल्डोजर

बांदा (आरएनएस)। मटौंध थाना क्षेत्र के ग्राम त्रिवेणी में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर मुन्ना यादव ने तालाब और बंजर जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। जिसे आज पुलिस व प्रशासन ने मिलकर बुलडोजर के जरिए ध्वस्त कर दिया। बताते चलें कि जनपद में प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर अवैध कब्जा करने वालों और अपराधियों द्वारा किए गए अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार आज प्रशासन ने थाना क्षेत्र के त्रिवेणी गांव में मुन्ना उर्फ परमात्मा दीन पुत्र राजाराम द्वारा किए गए अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाया। मुन्ना यादव और उनके पुत्रों द्वारा बंजर व तालाब के गाटा संख्या 987 रकवा 0.951 हेक्टेयर व 981रकवा 0. 053 हेक्टेयर के लगभग 2 बीघे रकवे पर दुकान व तारवाडी करके अवैध रूप से कब्जा किया गया था। जिसे ध्वस्त कराने के लिए उप जिला अधिकारी बांदा, तहसीलदार बांदा, क्षेत्राधिकारी शहर, थाना प्रभारी मटौंध व राजस्व टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जेसीबी के द्वारा अवैध रूप से बनी दुकान व तारवाडी को हटाकर कब्जा मुक्त कराया गया। पुलिस के मुताबिक हिस्ट्रीशीटर मुन्ना यादव के खिलाफ सर्वाधिक मुकदमा थाना मटौंध में दर्ज हैं। इसके अलावा महोबा व कोतवाली बांदा में भी मामले दर्ज हैं।

भीषण चक्रवात में बदला 'असानी' तूफान, 111 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा आगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करने के बाद चक्रवात 'असानी' ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसकी वजह से ओडिशा, बंगाल और आंध्र प्रदेश में तूफानी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह बंगाल की दक्षिण-पूर्वी खाड़ी के ऊपर अधिक तीव्र होकर एक भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया है, क्योंकि यह उत्तर आंध्र प्रदेश-ओडिशा तटों की दिशा में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया था। मौसम विभाग ने कहा कि 'असानी' तूफान के मंगलवार को उत्तर आंध्र-ओडिशा तटों से पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में पहुंचने पर, उत्तर-पूर्व की ओर मुडऩे और ओडिशा तट से उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी की ओर बढऩे की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के आज बंगाल की खाड़ी में 111 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से आगे बढऩे की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, ओडिशा तट के पास समुद्र की स्थिति नौ मई को खराब और 10 मई को अत्यधिक खराब हो जाएगी। मौसम विभाग ने 'असानी' की गति और तीव्रता के अपने पूर्वानुमान में कहा, इसके गुरुवार तक गहरे दबाव में बदलने की संभावना है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि चक्रवात पूर्वी तट के समानांतर चलेगा और मंगलवार शाम से बारिश होने का कारण बनेगा।

ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) पीके जेना ने कहा कि राज्य सरकार ने बचाव अभियान के लिए पर्याप्त व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि हमें राज्य में कोई बड़ा खतरा दिखाई नहीं दे रहा है, क्योंकि यह पुरी

के पास तट से करीब 100 किलोमीटर दूर से गुजर जाएगा। हालांकि, राष्ट्रीय आपदा प्रक्रिया बल (एनडीआरएफ), ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) और दमकल सेवाओं के बचाव दल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने कहा, 'चक्रवात के प्रभाव में मंगलवार शाम से तटीय जिलों में बारिश संबंधित गतिविधियां शुरू हो जाएंगी.' मंगलवार को ओडिशा के गजपति, गंजम और पुरी के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। बुधवार को गंजम, खुर्दा, पुरी, जगतसिंहपुर और कटक में भारी बारिश हो सकती है। बृहस्पतिवार को पुरी, जगतसिंहपुर, कटक, केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर में भारी बारिश की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर हो सकती हैं हल्की बारिश

रायपुर (आरएनएस)। बसन्नाह भर से राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के दूसरे जिलों में अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है. प्रदेश के अधिकांश जिलों में तापमान 37 से 40 डिग्री के आसपास और कुछ जगहों पर 42 डिग्री के आसपास अधिकतम तापमान बना हुआ है. मौसम विभाग की माने तो बदली बारिश और अंधड़ चलने के कारण अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन देखने को नहीं मिल रहा है. रविवार को दुर्ग में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.9 डिग्री दर्ज किया गया. जबकि रायपुर में 42.1 डिग्री दर्ज किया गया। दक्षिण छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा के आसार, अधिकतम तापमान में वृद्धि की संभावना हैं। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि सोमवार को हवा की दिशा परिवर्तित होकर बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त अपेक्षाकृत ठंडी हवा के आगमन होने की संभावना है. जिसके कारण प्रदेश के अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है. इसके साथ ही प्रदेश के एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पडऩे की संभावना है. एक-दो स्थानों पर अंधड़ भी चल सकती है. आसनी चक्रवात के कारण प्रदेश में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है. इसी तरह 10 मई को आसनी चक्रवात के कारण प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पडऩे की संभावना है. हवा की गति भी बढऩे की संभावना जताई गई है. इस दौरान दक्षिण छत्तीसगढ़ में बादल छाए रहने के साथ ही उत्तर छत्तीसगढ़ में आंशिक रूप से बादल रह सकते हैं।

जेट एयरवेज की फ्लाइट फिर से भरेगी उड़ान, गृह मंत्रालय से मिली सुरक्षा मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेट एयरवेज के नए प्रमोटर्स को सुरक्षा मंजूरी दे दी है। इस तरह एयरलाइन के संचालन को फिर से शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिसे वित्तीय बाधाओं के कारण 2019 में बंद कर दिया गया था। जालान-कलरॉक कंसोर्टियम की ओर से जेट एयरवेज का अधिग्रहण करने के बाद एयरलाइन ने हैदराबाद से परीक्षण उड़ानें आयोजित कीं। एयरलाइन ने अपनी आखिरी उड़ान 17 अप्रैल, 2019 को संचालित की, जब नरेश गोयल के पास इसका स्वामित्व था।

गुरुवार को एयरलाइन ने हैदराबाद हवाई अड्डे से परीक्षण उड़ान संचालित करके एयर ऑपरेटर प्रमाणपत्र प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से छह मई को एयरलाइन को भेजे गए पत्र में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सुरक्षा मंजूरी देने की जानकारी दी गई थी। इस पत्र में सुरक्षा मंजूरी मिलने की पुष्टि करते हुए यह भी कहा गया है कि भविष्य में गृह मंत्रालय को प्रतिकूल जानकारी मिलने पर सुरक्षा मंजूरी को किसी भी समय वापस लिया जा सकता है।

यह पत्र विमानन नियामक डीजीसीए और विमानन सुरक्षा नियामक बीसीएएस को भी भेजा गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के समक्ष यह साबित करने के लिए पिछले गुरुवार को परीक्षण उड़ान संचालित की गई थी कि विमान और उसके घटक सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। परीक्षण उड़ान के बाद एयरलाइन को साबित उड़ानें संचालित करनी होती हैं, जिसके बाद डीजीसीए एयर ऑपरेटर प्रमाणपत्र प्रदान करता है।

वित्तीय संकट ने दो दशकों से अधिक समय तक उड़ानें संचालित करने वाली जेट एयरवेज को 17 अप्रैल, 2019 को परिचालन निलंबित करने के लिए मजबूर किया था।

इंडिगो एयरलाइन ने दिव्यांग बच्चे को प्लेन में चढ़ने से रोका, सिंधिया बोले- खुद करूंगा जांच

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंडिगो एयरलाइन के कर्मचारियों ने एक दिव्यांग बच्चे को रांची हवाईअड्डे पर विमान में चढऩे से रोक दिया। इंडिगो ने इसका कारण बताया कि बच्चा विमान में यात्रा करने से घबरा रहा था। इस घटना के सामने आने के बाद विमानन नियामक डीजीसीए ने मामले में जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरी तरफ केंद्र सरकार की ओर से इस मामले को लेकर कड़ा संज्ञान लिया गया है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज कहा कि वह खुद इंडिगो एयरलाइंस की इस घटना की जांच करेंगे, जिसमें शनिवार को रांची हवाई अड्डे पर अपने माता-पिता के साथ एक दिव्यांग बच्चे को

विमान में चढऩे से रोक दिया गया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस तरह के व्यवहार के लिए जीरो टॉलरेंस नीति है और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि इस तरह के व्यवहार के प्रति जीरो टॉलरेंस है। किसी भी इंसान को इससे नहीं गुजरना चाहिए! मामले की खुद जांच कर रहा हूं, जिसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि रविवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया गया था कि इंडिगो एयरलाइंस के कर्मचारियों ने शनिवार को रांची हवाई अड्डे पर एक दिव्यांग किशोर को उसके माता-पिता के साथ विमान में चढऩे से रोक दिया गया। पोस्ट में कहा गया कि इंडिगो के कर्मचारियों ने घोषणा की कि बच्चे को उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वह अन्य यात्रियों के लिए एक जोखिम था। यात्रा के योग्य होने से पहले उसे सामान्य बनना होगा।

इस घटना पर एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए एयरलाइन ने एक बयान जारी कर कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए एक विशेष रूप से दिव्यांग बच्चा सात मई को अपने परिवार के साथ उड़ान में नहीं जा सका, क्योंकि वह दहशत की स्थिति में था। ग्राउंड स्टाफ ने आखिरी मिनट तक उसके शांत होने का इंतजार किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कंपनी ने कहा कि एयरलाइन ने उन्हें होटल में ठहरने की सुविधा प्रदान करके परिवार को सहज बनाया। परिवार ने आज सुबह अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरी। इंडिगो एक समावेशी संगठन होने पर गर्व करता है, चाहे वह कर्मचारियों के लिए हो या ग्राहकों के लिए। 75 हजार से अधिक दिव्यांग यात्री हर महीने इंडिगो के साथ उड़ान भरते हैं।

हरिद्वार-रुड़की समेत 6 रेलवे स्टेशनों और धार्मिक स्थानों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

रुडक़ी (आरएनएस)। रुडक़ी रेलवे स्टेशन के अधीक्षक को धमकी भरा पत्र मिला है जिसमें 21 मई को लक्सर, नजीबाबाद, देहरादून, रुडक़ी, ऋषिकेश, हरिद्वार रेलवे स्टेशन समेत कई रेलवे स्टेशनों के अलावा हरिद्वार और अन्य धार्मिक स्थलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। पत्र भेजने वाले ने खुद को आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का एरिया कमांडर बताया है। बताया गया है कि पत्र में टार्गेट पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का नाम भी है। पत्र मिलने से हरिद्वार से नजीबाबाद तक खलबली मच गई है। पत्र भेजने वाले की जांच पड़ताल शुरू हो गई है। साथ ही उत्तराखंड और यूपी के रेलवे स्टेशनों पर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक रुडक़ी रेलवे स्टेशन अधीक्षक को ये धमकी भरा पत्र मिला। पत्र टूटी-फूटी हिंदी में लिखा हुआ है। इसमें खुद को आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का एरिया कमांडर सलीम अंसारी

बता कर लक्सर, नजीबाबाद, देहरादून, रुडक़ी, ऋषिकेश, हरिद्वार रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। साथ ही हरिद्वार में मंशा देवी, चंडी देवी समेत अन्य धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाने की धमकी दी है।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, पत्र के बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। वहीं पुलिस पत्र भेजने वाले की जानकारी हासिल करने में जुट गई है। सूत्रों की मानें तो पुलिस पूर्व में मिले इस तरह के धमकी भरे पत्रों की हैंडराइटिंग मिलान कर रही है। बता दें कि रुडक़ी रेलवे स्टेशन अधीक्षक को अप्रैल 2019 में भी इस तरह का धमकी भरा पत्र मिला था।

हालांकि पहले मिले पत्रों की तरह यह किसी की शरारत भी हो सकती है लेकिन मामला संवेदनशील होने के चलते पुलिस अलर्ट मोड में है। देर रात तक रेलवे और पुलिस अधिकारी इस बारे में कुछ भी कहने से बचते रहे। रुडक़ी जीआरपी की कार्यवाहक थानाध्यक्ष ममता गोला ने बताया कि पत्र मिलने की जानकारी मिली है। अप्रैल 2019 में इसी तरह का एक पत्र रुडक़ी रेलवे स्टेशन अधीक्षक को मिला था, जिसमें 13 मई को रेलवे स्टेशनों पर धमाके किए जाने की धमकी दी गई थी। उसके बाद रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। हालांकि इस तरह के धमकी भरे पत्र नवंबर 2021 में मेरठ और हापुड के रेलवे स्टेशन अधीक्षक को भी मिले थे।

उत्तराखंड में छह रेलवे स्टेशनों को उड़ाने की धमकी भरा पत्र मिलने पर डीजीपी अशोक कुमार ने कहा कि मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति पिछले 20 साल से इस तरह के धमकी भरे पत्र भेज रहा है। फिर भी एहतियात बरती जा रही है।

बीएसएफ ने अमृतसर में मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन, 10.6 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर (आरएनएस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार तडक़े अमृतसर जिले के भरोपाल के सीमावर्ती गांव के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया और 10.6 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। बीएसएफ ने कहा कि उसने ड्रोन से हेरोइन के नौ पैकेट बरामद किए और सीमा पार से तस्करी की कोशिश को नाकाम किया। बीएसएफ (पंजाब फ्रंटियर) ने ट्वीट किया, ''फ्रंटियर बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तानी ड्रोन के माध्यम से तस्करी के एक और प्रयास को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान की ओर से आ रहे इस ड्रोन को बीएसएफ के जवानों ने गोलीबारी कर गिरा दिया। ड्रोन से एक बैग में नौ पैकेट बरामद किए गए, जिनमें हेरोइन (10.670 किलोग्राम) होने की आशंका है।''

बीएसएफ ने कहा कि कर्मियों ने ड्रोन की भनभनाहट की आवाज सुनी और उसे नीचे गिराने के लिए उसकी ओर फायरिंग की। तलाशी लेने पर पता चला कि प्रतिबंधित पदार्थ प्लास्टिक की थैली में छुपाकर नौ छोटे पैकेटों में पैक किया गया था। यह घटना तरनतारन पुलिस द्वारा दो लोगों को गिरफ्तार करने और एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद करने के एक दिन बाद आई है। पुलिस को संदेह है कि आईईडी पाकिस्तान से ड्रोन द्वारा लाया गया होगा।

पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई और एपीवाई ने सामाजिक सुरक्षा प्रदान करते हुए 7 वर्ष पूरे किए

नई दिल्ली (आरएनएस)। हम तीन सामाजिक सुरक्षा (जन सुरक्षा) योजनाओं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की 7 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, आइए हम इन योजनाओं से जुड़ी कुछ बातों पर ध्यान केंद्रित करें कि कैसे इन योजनाओं द्वारा लोगों को किफायती बीमा और सुरक्षा (जन सुरक्षा) की सुविधा मिल रही है। इन योजनाओं की उपलब्धियां तथा मुख्य विशेषताएं क्या हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 9 मई, 2015 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल से पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई को लॉन्च किया गया था।

उपरोक्त तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाएं अप्रत्याशित जोखिमों / नुकसानों और वित्तीय अनिश्चितताओं से मानव जीवन को सुरक्षित करने की आवश्यकता की पहचान करते हुए नागरिकों के कल्याण के लिए समर्पित हैं। देश के असंगठित क्षेत्र के लोगों को आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने दो बीमा योजनाएं शुरू कीं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) तथा इसके साथ ही वृद्धावस्था में जरूरतों को पूरा करने के लिए अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की गयी।

पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई लोगों को कम लागत वाली जीवन/ दुर्घटना बीमा कवर की सुविधा देतीं हैं, जबकि एपीवाई बुढ़ापे में नियमित पेंशन प्राप्त करने के लिए वर्तमान में बचत करने का अवसर प्रदान करती है।

योजना की 7वीं वर्षगांठ पर केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने कहा, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त, 2014 को घोषित एवं वित्तीय समावेश पर आधारित राष्ट्रीय मिशन के मुख्य उद्देश्यों में से एक था - बीमा और पेंशन के दायरे का विस्तार करना, ताकि समाज के गरीब और कमजोर समुदाय के लोगों को किफायती उत्पादों के माध्यम से अत्यधिक आवश्यक वित्तीय सुरक्षा प्रदान की जा सके।

वित्त मंत्री ने कहा, तीन जन सुरक्षा योजनाओं ने बीमा और पेंशन को आम आदमी की पहुंच में ला दिया है। पिछले सात वर्षों में उपरोक्त योजनाओं में पंजीकृत और इनसे लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या इनकी सफलता का प्रमाण हैं। कम लागत वाली बीमा योजनाएं और गारंटी युक्त पेंशन योजना यह सुनिश्चित कर रही हैं कि वित्तीय सुरक्षा, जो पहले कुछ चुनिंदा लोगों को ही उपलब्ध थी, अब समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है।

गरीब लोगों को सुविधाएं प्रदान करने का विवरण देते हुए, वित्त मंत्री ने कहा, आज, गरीब से गरीब व्यक्ति भी पीएमजेजेबीवाई के तहत 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रति दिन 1 रुपये से कम पर और पीएमएसबीवाई के तहत 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा भी प्रति दिन 1 रुपये से कम पर प्राप्त कर सकता है। देश के आयु वर्ग 18 से 40 वर्ष के सभी नागरिक न्यूनतम 42 रुपये प्रति माह का भुगतान करके 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन प्राप्त कर सकते हैं।

पीएमजेजेबीवाई के माध्यम से नागरिकों को, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान, सुविधा के साथ सुरक्षा प्रदान करने के बारे में श्रीमती सीतारामन ने कहा, पीएमजेजेबीवाई के तहत, योजना की शुरुआत से अब-तक 12.76 करोड़ व्यक्तियों ने जीवन बीमा के लिए पंजीकरण कराया है और 5,76,121 व्यक्तियों के परिवारों को योजना के तहत कुल 11,522 करोड़ रुपये मूल्य के दावे प्राप्त हुए हैं। यह योजना महामारी के दौरान कम आय वाले परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुई है, क्योंकि वित्त वर्ष 2021 में, भुगतान किए गए कुल दावों में लगभग 50 प्रतिशत कोविड-19 से हुई मौतों से सम्बंधित थे। महामारी की अवधि के दौरान दावों के त्वरित और आसान निपटान के लिए दावा निपटान प्रक्रिया में बड़े बदलाव किये गए। दावों के आसान निपटान के लिए शुरू किये गये ये बदलाव अभी भी जारी हैं। महामारी की शुरुआत के बाद से, यानि 1 अप्रैल, 2020 से 23 फरवरी, 2022 तक, कुल 2.10 लाख दावों के लिए 4,194.28 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया गया। दावों को निपटाने की दर 99.72 प्रतिशत रही। वित्त मंत्री ने कहा, इसी तरह, पीएमएसबीवाई के शुभारंभ के बाद से 28.37 करोड़ लोगों ने दुर्घटना कवर के लिए पंजीकरण कराया है और 97,227 दावों के लिए 1,930 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। 4 करोड़ से अधिक लोग एपीवाई योजना के सदस्य बने हैं।